छिपाएंगे नहीं, छापेंगे
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
www.subhartimedia.com लखनऊ, रविवार, 05 अप्रैल 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित
महामारी हमेशा के लिए बदल देगी सबकी आदतें -12

पीएम के रात में 9 बजे 9 दीपक जलाने के पीछे वैज्ञानिक पहलू

लखनऊ-प्रभात

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ब्रह्मांड में तमाम घटनाएं ऐसी हैं जिसमें हम यदि ग्रहों की संख्या देखें तो वह 9 है, प्रत्येक ग्रह की 12.राशियों होती है जिसके अनुसार कुल संख्या 108 आती है और योगत्र 9 आता है। वही ज्योतिष के अनुसार 27 नक्षत्र होते हैं और प्रत्येक नक्षत्र के 4 चरण होते हैं, इसकी संख्या–108 आती है और योग भी 9 आता है। यही नहीं, आकाश.गंगा के तारों की संख्या 108 होता है, जिसका भी योग 9 होता है तथा समुंद्र मंथन में 54–देव और 54–असुरो द्वारा अमृत कलश निकला था, जिसका योग 9 आता है। रुद्राक्ष व तुलसी की मालाओ में भी मनिकाएं भी 108–108 होती हैं, जिनके भी योग 9–9 आता है। यह संयोग नहीं कहा जा सकता है, इन सबका ब्रह्मांड में महत्व है। सम्पूर्ण ब्रह्मांड गतिशील है और परम शक्ति से ओत–प्रोत है। आज जब कोरोना ने पूर्ण मानवता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है प्रधानमंत्री मोदी ने सामूहिक शक्ति प्रदर्शन के लिये जनता कर्फ्यूउसके वाद लाकडाउन और अब 5 अप्रैल 2020 को 9 बजे रात को 9 मिनट के लिये विजली बंद करने के उपरांत दिया जलाकर मोमबत्ती या मोबाइल की लाइट जलाकर सामूहिक शक्ति प्रदर्शन कर देशवाशियों से जहां कोरोना महामारी के अंधेकार से रोशनी की आश लगाई जा रही है, वही दूसरी तरफ लोगो मे एकता का अटूट प्रदर्शन होगा, जिस शक्ति से कोरोना हारेगा। भले ही ज्योतिष के कडी मे 5 अप्रैल का योग (5+4=9) है तथा 9 बजे सायं और 9 मिनट उजाला करना सभी का योग (9+9+9=27) जो पुनः 9 अंक बना रहा है और शुभ लक्षण दिखा रहा है कि कोरोना पर मानवता की विजय होगी।

सामूहिक शक्ति

प्रो.भरत राज सिंह

इसका वैज्ञानिक पहलू यह है कि जहां मानव द्वारा प्रकृति में किये जा रहे अप्रत्याशित छेड.छाड से ब्रह्मांड पर अत्यधिक बुरा असर पड चुका है और प्रदूषण ने तो पूर्ण मानवता को भी नष्ट करने के कगार पर ला दिया है। जो मनुष्य के द्वारा धरती के अवयवो को अप्रत्यासित ढंग से दोहन अथवा नष्ट करने से हुआ है। विगत दो–वर्षो से यह देखा जा रहा है कि हवा व ध्वनि प्रदूषण विश्वभर में अप्रत्याशित रूप से बढ गया है और विश्व के 20.अधिकतम प्रदूषित शहरो मे से 16.शहर तो भारतवर्ष के हैए, जहा वायु प्रदूषण इंडेक्स.2.5 जो 490 से 589 तक पहुच चुका था। इससे वीमारी की अधिकता भी बढी हुई पायी गई और मृत्यु दर मे भी बढोत्तरी पाया गया। हमे यह जानकर खुशी होगी कि आजका लखनऊ का एक्यूआई इंडेक्स–59 है, जबकि यही 22 मार्च 2020 को लखनऊ मे 187 था। पीएम मोदी के 5 अप्रैल 2020 के प्रयास सेए जहां भारतवर्ष की प्रतिदिन की उत्पन्न विजली 11,84,672 मेगा यूनिट है उसमे मे मात्र 9 मिनट में ही लगभग 7,450 मेगा यूनिट की बचत होगी और वही स्वास्थ्य के लिये हवा और शुद्ध होकर कोरोना महामारी सत्क्रमण को भी समाप्त करने में मदद मिलेगी। वही दूसरी तरफ दुनिया भर में विभिन्न परंपराओं और संस्कृतियों मे तेल के दीपक जालना एक हिस्सा था, जब तक कि बिजली की रोशनी लोकप्रिय नहीं हुई। सबसे पहले ज्ञात तेल का दीपक लगभग 4500 से 3300 ईसा पूर्व के चालकोलिथिक युग में उपयोग मे लाये जाने का जिक्र है। आज, उनका उपयोग केवल कुछ घरों व त्योहारो तक सीमित है अथवा अब केवल किसी अपील के साथ जुडा है। यद्यपि इसका उद्धरण संक्रित के मंत्रों में मिलता है-

शुभंकरोति कल्याणं आरोग्यं धनसंपदाम्।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते।।

यह आरोग्य बनाता है और धनधान्य से परिपूर्ण करके शुभ कल्याण करता है। इससे शत्रु का विनाशए और बुद्धि के विकास मे दीप. योति मदद करती है।

दीपज्योतिःपरब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते।।

पाप को हरने वाली दीप ज्योति परब्रम्ह जो सभी पाप को हरण करती हैए इसे नमस्कार करते है। तेल के दीपक को जलाने के कुछ फायदे हैं। कुछ वनस्पति तेलों का उपयोग, विशेष रूप से यदि आप दीपक को जलाने के लिए सरसो का तेलए तिल का तेलए अरंडी का तेल या घी का उपयोग करते हैं, तो एंटी.ऑक्सीडेंट ग्राफीन ऑक्साइड उत्पन्न होता है, जिससे जर्म, बैक्टीरिया के कण, सूक्ष्म कीडे आदि नष्ट हो जाते हैं। यह नकारात्मकता को समाप्त करता है और इसका सकारात्मक ऊर्जा का अपना क्षेत्र पैदा होगा। अब जब भारत की 130 करोड़ जनता द्वारा यदि तेल अथवा घी का 9–9 दिया 9 मिनट तक जलाये जाएंगे तो उससे नकाररात्मक ऊर्जा दूर होकर सकारात्मक ऊर्जा पैदा होगी। अतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 अप्रैल 2020 को रात 9 बजे 9 दीपक जलाकर सामूहिक शक्ति प्रदर्शन कर कोरोना महामारी संक्रमण पर विजय प्राप्त करने हेतु बहुत बडा सकारात्मक असर पडेगा।